आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

मसाला समाचार

जनवरी-जून 2023 (खंड : 34, अंक 01)

iisr

इस अंक में

अनुसंधान अद्यतन	1
विस्तार गतिविधियां	9
प्रदर्शनियां	11
प्रशिक्षण कार्यक्रम	11
संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई की गतिविधियां	16
अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना	18
प्रायोगिक प्रक्षेत्र पेरुवण्णामुषि के समाचार एवं प्रमुख घटनाएं	20
आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन अप्पंगला के समाचार एवं प्रमुख घटनाएं	22
कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड के समाचार	23
पुस्तकालय	25
हिंदी अनुभाग	25
संस्थान की प्रमुख घटनाएं	27
प्रकाशन	33
छात्रों का कोना	38
व्यक्तिगत	39

अनुसंधान अद्यतन : मलबार इमली के कीट रोगजनक कवक, पत्ती फुदकने वाले कीट संक्रमित *मेटार्हिज़ियम इन्डिकम* की नई स्पीसीस की केरल में पहचान

योगदानकर्ता: डॉ. सी. एम. सैंतिलकुमार

भारतीय मूल के एंटोमोपैथोजनिक कवक, *मेटारिज़ियम इंडिकम* की एक नई प्रजाति के विशेषण की सूचना मिली है। यह कवक लीफहोपर (*बुसोनिओमिमस मंजुनाथी*) में प्रकृतिक एपिज़ूटिक्स का कारण पाया गया, जो दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया का एक सदाबहार मसाला पेड़, *गार्सीनिया गम्मि-गट्टा* (मलबार इमली) को संक्रमित करता है। यह पेड़ पाक स्वाद, आहार अनुपूरक और विभिन्न मानव रोग के पारंपरिक उपचार के रूप में उपयोग के लिए जाना जाता है। इस कवक को खेत में एकत्रित कीड़ों में 60% से अधिक मृत्यु दर का कारण बनता पाया गया है। इस अनुसंधान का निष्कर्ष "जर्नल ऑफ इनवर्टब्रेट पैथोलोजी" में प्रकाशित हुई है, जो कीड़ों सहित अकशेरुकी जीवों की बीमारियों का एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है।

मेटार्हिज़ियम इन्डिकम से संक्रमित लीफहोपर

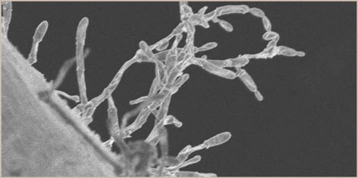

मेटारिज़ियम इंडिकम कोनिडिया का एक इलक्ट्रोन माइक्रोग्राफ

अनुसंधान अद्यतन

• जर्मप्लासम अन्वेषण से मसालों की विविधता के खजाने का पता चला

योगदानकर्ता: डॉ. के. वी. सजी, श्री. मुहम्मद निसार वी. ए., डॉ. शिवकुमार एम. एस. और डॉ. मुहम्मद अज़रुद्दीन टी. पी.

केरल के वाषचाल, शोलयार और चारपा वन प्रदेश तथा तमिलनाडु के वालपराई में 13-16 फरवरी 2023 के दौरान एक जर्मप्लासम अन्वेषण आयोजित किया गया और 'वन्य पाइपर' के 16 अक्सेशनों को एकत्र किया *जिसमें पी. मुल्लेसुआ, पी. हेपनियम, पी. गैलिएटम, पी. बारबेरी* और पी. *वेलावुदानी* शामिल होते है, *सी. रिपारियम, सी. मलबाट्रम* सहित दालचीनी के 6 अक्सेशनें और पहचान न किए स्पीसीसों की दो अक्सेशनें और *गार्सीनिया* के 3 अक्सेशनें (जी. मोरेल्ला, जी. वाइटी और जी. गम्मि-गट्टा) शामिल होते हैं। इस संग्रह में इलायची (*एलटारिया कार्डमोमम*) के एक वन्य अक्सेशन, एक वन्य अदरक (*ज़िंजीबर ओफीशनेल*) और अमोमम (*ए घाटिकम*) का एक वन्य स्पीसीस भी शामिल है।

पी. गैलिएटम

पी. हेपनियम

पी. बारबेरी

सी. रिपारियम

जी. वाइटी

अनुसंधान अद्यतन

दि हिडन जम: मडिकेरी में पहचानी गई अनोखी और असाधारण काली मिर्च प्रकार

योगदानकर्ता: डॉ. एम. एस. शिवकुमार और डॉ. एस. जे. आंकेगौडा

भाकृअनुप-भारतीय़ मसाला फसल अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला के वैज्ञानिकों ने बूथनाक्कडवु एस्टेट, मडिकेरी से एक अनोखी काली मिर्च प्रकार की पहचान की और उसे एकत्र किया। जीनोटाइप में एक लंबी स्पाइक होती है जिसके औसत स्पाइक लंबाई 27.20 से. मी. होती है और अच्छी सेटिंग होती है और इसकी बेरियों की संख्या 140-180 तक होती है। प्रति स्पाइक की अपरिपक्व औसत बेरियों की संख्या और बरियों के आकार क्रमशः 67.70 तथा 5.32 मि.मी. पाई गई। जीनोटाइप में औसत 5 स्पाइक वज़न 83.2 ग्रा. दर्ज किया गया, थोक घनत्व में 612-50 ग्रा. / लिटर औसत के साथ 600-620 ग्रा./ लिटर के बीच थी। छानबीन अध्ययन के लिए एकत्रित प्रकारों का गुणन किया जा रहा है।

हल्दी की क्षमता का दोहन: उच्च उपजवाली प्री-ब्रीडिंग लाइनों का खुलासा

योगदानकर्ता: आर. गोबु, आरती एस. और प्रसाथ डी.

संवर्धित डिज़ाइन का उपयोग करके मिनि बेड्स में हल्दी के बीज पौधों, सोमाक्लोन्स और अंतः प्रजातियों की उपज और उपज विशेषताओं का मूल्यांकन किया गया। उनमें से तीन अक्सेशनों (69/5/22/19/11, 69/5/22/19, 69/5/22/19/14) ने प्रति पौधा उच्च ताज़ा प्रकंद उपज (>450 ग्राम/पौधा) का उत्पादन किया। ग्यारह अक्सेशनों (एससी-57, एससी-75, एससी-65, 138/23/13, 69/5/22/आई11/आई 1, 69/5/22 आई11, एससी-68, एससी-74, एससी-32. 138/74/4 और एससी-51) ने प्राथमिक प्रकंद की लंबाई 11 से. मी. से अधिक दिखाई, जो एक अच्छे प्री-ब्रीडिंग लाइन के रूप में काम करेगी।

आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में उगाई गई आशाजनक प्री-ब्रीडिंग लाइन की झलक

अनुसंधान अद्यतन

लौंग की अद्भुत खेती की खोज

योगदानकर्ता: श्री मुहम्मद निसार वी. ए. और डॉ. अनीस के.

एक टीम द्वारा दिनांक 02.02.2023 को कण्णूर जिले के लौंग उगाने वाले एक छोटे इलाका पथेनपारा में खेत भ्रमण आयोजित किया गया और वहां से उच्च उपज देने वाली और नियमित रुप से फल देने वाली और गुलाबी फूल वाली लौंग की दो किस्मों को एकत्र किया गया।

एकत्र की गई लौंग का गुलाबी फूल वाला वैरियन्ट

सफलता के लिए छिड़काव: कैसे रसायन शास्त्र लौंग की कलियों की कटाई में क्रांति लाता है

योगदानकर्ता: अनीस के., कृष्णमूर्ति के. एस., बिजु सी. एन., श्रीनिवासन वी., लिजो तोमस और मुहम्मद निसार वी. ए.

लौंग की कलियों की कटाई के लिए एक रासायनिक रुप से प्रेरित विधि को तोट्टिलपालम में बडे पैमाने पर खेत परीक्षण (500 पेड़) सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया था। वर्तमान तकनीक ने फसल की लागत को प्रति किलोग्राम सूखे लौंग के लिए रुपए 350 से रुपए 66 तक कम कर देती है। इसके अलावा, कटाई के चरम समय के दौरान लौंग के बागानों में कुशल श्रमिकों की कमी के कारण किसानों को होने वाली समस्या, जिसके परिणामस्वरुप लौंग की कली खुल जाती थी, इस तकनीक के कारण हल हो सकती है। वर्तमान तकनीक में कटाई प्रक्रिया को संचालित करने के लिए केवल दो जनशक्ति की आवश्यकता होती है। फॉर्मुलेशन का छिड़काव करने के बाद, चौथे दिन कलियों के गिरना शुरु हो जाता है और वह 78वें दिन तक ज़ारी रहता है। गिरी हुई कलियों को छायेदार जाल में इकट्ठा करके 5 और 8 दिन तक ज़मीन पर फैला दिया जाता है।

छिड़काव के बाद पेड़ से गिरने वाली कलियों को इकट्ठा करने के लिए तैयारी

अनुसंधान अद्यतन

काली मिर्च खेती के गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में अच्छी तरह से फलती-फूलती है

योगदानकर्ता: डॉ. के. वी. सजी, डॉ. एम. एस. शिवकुमार और डॉ. शारोन अरविंद

काली मिर्च छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्रों में (विशेष रूप से कोंडगाव क्षेत्र में, जो मध्यम सर्दियों वाला शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्र है) शानदार ढ़ंग से उगती है। इस जगह में दक्षिण पश्चिम और पूर्वोत्तर मानसून के दौरान औसत वर्षा क्रमश: 1338.8 और 95.4 मि. मी. है। कोंडगाव के मां दंतेश्वरी हेरबल प्रोडक्ट्स एंड रिसर्च सेन्टर फार्म के अध्यक्ष डॉ. राजाराम त्रिपाठी के अनुसार इस क्षेत्र में करीब 20 साल से काली मिर्च पैदा होती है। उन्होंने अलग-अलग जीवन मानकों जैसे महुआ (*मधुका लॉगिफोलिया*), साल का पेड़ (*शोरिया रोबस्टा*), और अकेशिया (*अकेशिया मांगिया*) पर 15,000 काली मिर्च की बेलें उगाई है। उगाए गए जीनोटाइप ज्यादातर बालनकोट्टा प्रकार और पन्नियूर-1 की है। यह बागान अपने मूल निवास स्थान से परे काली मिर्च उत्पादक क्षेत्रों के गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में काली मिर्च की खेती के विस्तार की गुंजाइश प्रदान करता है। इस नए मसाले की शुरुआत ने बस्तर क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मां दंतेश्वरी हेरबल प्रोडक्ट्स एंड रिसर्च सेन्टर फार्म कोंडगाव में काली मिर्च खेती

डॉ. राजाराम त्रिपाठी के साथ आईसीएआर आईआईएसआर के वैज्ञानिक

रीकॉम्बीनेज़ पालीमरेज़ एम्प्लिफिकेशन-लेटरल फ्लो परख (आरपीए-एलएफए) द्वारा काली मिर्च को संक्रमित करने वाले पाइपर येल्लो मोटल वाइरस का त्वरित ऑनसाइट पता लगाना

योगदानकर्ता: डॉ. ए. ईश्वर भट्ट

पीवाईएमओवी का पता लगाने के लिए रीकॉम्बीनेज़ पालीमरेज़ एम्प्लिफिकेशन (आरपीए) पर आधारित दो तीव्र परख, (i) 6-कार्बोक्सीफ्लओरेसिन (एफएएम) लेबल एनएफओ प्रोब और बायोटिन लेबल रिवेर्स प्राइमर और (ii) एफएएम लेबल फॉरवर्ड और बायोटिन लेबल रिवर्स प्राइमर का उपयोग करते हुए, पार्श्व प्रवाह परख (एलएफए) के साथ मिलकर विकसित किया गया। परीक्षण रेखा पर रंगीन रेखा का बनाना पीवाईएमओवी के लिए सकारात्मक माना गया। नमूना तैयार करने से लेकर परिणाम देखने तक की पूरी प्रक्रिया लगभग 30 मिनट में

अनुसंधान अद्यतन

पूरी की जा सकती है। काली मिर्च और मीली बग वेक्टर के खेत नमूनों का उपयोग करके परख को मान्य किया गया था।

काली मिर्च को संक्रमित करने वाले दो *फाइटोफ्थोरा* स्पीसीस की आनुवंशिक विविधता को आरएएमएस और आरईपी पीसीआर विश्लेषण से पता चला।

योगदानकर्ता: सुश्री फातिमत ज़ुमैला, डॉ. ए. जीवलता, डॉ. सी. एन. बिजु

काली मिर्च को संक्रमित करने वाले फाइटोफ्थोरा स्पीसीस की आनुवंशिक विविधता को आरएएमएस रान्डम एम्प्लिफाइड माइक्रोसाटलाइट्स) और आरईपी (रिपिटीटीव एक्स्ट्रजनिक पालिन्ड्रोमिक) फिंगरप्रिंटिंग का उपयोग करके किया गया। पीसीआर विश्लेषण से पता चला कि इस अध्ययन के लिए कर्नाटक, केरल, तमिल नाडु और गोवा जैसे प्रमुख काली मिर्च उत्पादक राज्यों से एकत्र किए गए अड़तालीस आईसोलेट्स, *पी. कैप्सीसी* और *पी. ट्रोपिकालिस* दोनों के चोबीस, का उपयोग किया गया। विश्लेषण से कुल 160 लोसी का पता चला जिनमें से 150 (93.75%) बहुरुपी थे। युपीजीएमए क्लस्टर विश्लेषण ने स्पष्ट रुप से *पी. कैप्सीसी* और *पी. ट्रोपिकालिस* को दो समूहों में विभाजित किया, जिन्हें आगे चार उप क्लस्टरों, अर्थात्, I और II (*पी. कैप्सीसी)* और III और IV (*पी. ट्रोपिकालिस*) में विभाजित किया गया।

संयुक्त आरएएमएस और आरईपी-पीसीआर डेटा के आधार पर 48 फाइटोफ्थोरा आईसोलेट्स (24 *पी. कैप्सीसी* और *पी. ट्रॉपिकालिस* आईसोलेट्स) का युपीजीएमए डेंड्रोम

अर्बुस्कुलार माइकोरिज़ल उपनिवेशीकरण काली मिर्च में जैव रासायनिक, आणविक रक्षा प्रतिक्रियाओं और जड़ एक्स्यूडेट संरचना को बदल देता है-फाइटोफ्थोरा कैप्सीसी होस्ट-पैथोसिस्टम

योगदानकर्ता: सी. सारथांबाल, ए. जीवलता, आर. शिवरंजनी, सी. एन. बिजु, सोना चार्ल्स, वी. श्रीनिवासन और प्रिया जॉर्ज

काली मिर्च-फाइटोफ्थोरा कैप्सीसी होस्ट-पैथोसिस्टम में जैव रासायनिक, आणविक रक्षा प्रतिक्रियाओं और जड़ एक्स्यूडेट संरचना पर माइकोरिज़ल उपनिवेशन के प्रभाव की जांच की गई। रोगजनक टीकाकरण पर माइकोरिज़ल उपनिवेशन के प्रभाव को चित्रित करने के लिए फिनोल, ऑर्थोडिहाइड्रॉक्सी (ओडी) फिनोल, पेरोक्सिडेस गतिविधि, और लिग्निन जैसे चार जैव रासायमिक मापदंडों का अध्ययन किया गया था। मात्रात्मक पोलीमरेज़ श्रृंखला प्रतिक्रिया विश्लेषण से पता चला कि एएम प्री-इनोकुलेशन काली मिर्च की पत्तियों और जड़ों में रोगजनन-संबंधित जीन जैसे सीएपीएक्स, ओस्मोटिन और β-1,3 ग्लूकेनेज, फेनिल एलनिन अमोनिया-लिसेज़ और एनपीआर1 का उन्नयन हुआ। एएम उपनिवेशित पौधों की जड़ के स्राव में *पी. कैप्सीसी* टीका लगाए गए पौधों की तुलना में उच्च फैटी एसिड/फैटी एसाइल यौगिक जैसे टेट्राडेकेनोइक एसिड, एन-हेक्साडेकेनोइक एसिड, ऑक्टाडेकेनोइक एसिड और नोनाकोस-1-एनी पाए गए।

अनुसंधान अद्यतन

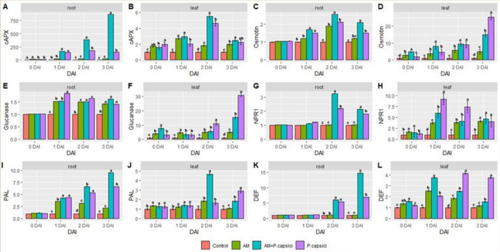

जड़ों और पत्तियों में साइटोसोलिक अस्कार्बेट पेरोक्सिडेज़ (सीएपीएक्स) ऑस्मोटिन जीन (पीआर5), ग्लूकेनेज जीन (पीआर2), एनपीआर 1 जीन, पीएएल जीन, डीईएफ जीन की विभेदक अभिव्यक्ति

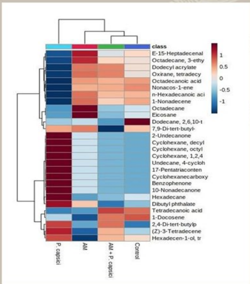

काली मिर्च की जड़ के रस में बाष्पशील यौगिकों की सापेक्ष प्रचुरता का ताप मानचित्र

हल्दी सूत्रकृमि इतिहास का अनावरण : एक साल तक चलने वाली जनसंख्या गतिशीलता अध्ययन

योगदानकर्ता: सी. सेल्लपेरुमाल

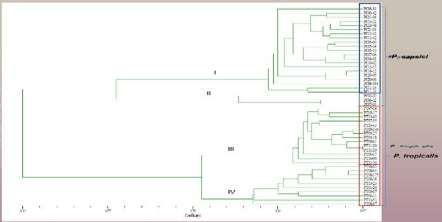

हल्दी पर संक्रमित करने वाले घाव सूत्रकृमि प्रॉटिलेंचस स्पीसीस की जनसंख्या गतिशीलता का अध्ययन किया गया कि सूत्रकृमि की आबादी मई 2022 से जनवरी 2023 तक विभिन्न मासिक अंतराल

अनुसंधान अद्यतन

पर दर्ज की गई। मई 2022 से जनवरी 2023 तक न्यूनतम और आधिकतम सूत्रकृमि आबादी दर्ज की गई, जिसमें पाया गया कि जून 2022 से नवंबर 2022 तक जनसंख्या बढ़ रही थी और दिसंबर 2022 के बाद से गिरावट आई। अधिकतम जनसंख्या नवंबर 2022 के दौरान 202/100cc मिट्टी पर और न्यूनतम जनसंख्या जून 2022 के दौरान 30/100cc मिट्टी पर दर्ज की गई थी। मई 2022 और जनवरी 2023 के महीने में कोई भी घाव वाली सूत्रकृमि आबादी दर्ज नहीं की गई थी।

फ्लुओपाइरम क्षमता का उजागर करना : उभरते जड़ घाव सूत्रकृमि प्रॉटीलेंचस स्पीसीस खतरों के खिलाफ हल्दी का ढाल

योगदानकर्ता: सी. सेल्लपेरुमाल

नए सूत्रकृमिनाशिनी, फ्लुओपाइरम की जैव प्रभावकारिता का परीक्षण उपर्युक्त रेखांकित के आधार पर खेत की स्थितियों के तहत हल्दी पर संक्रमित घाव सूत्रकृमि प्रॉटीलेंचस स्पीसीसी के खिलाफ किया गया है। आईसीएआर-आईआईएसआर के प्रायोगिक प्रक्षेत्र पेरुवण्णामुषि, कोषिक्कोड में 2020-23 से यह परीक्षण आयोजित किया गया था।

तकनीकी की सिफारिश: फ्लुओपाइरम 34.48 एससी (400 ग्राम/लिटर) (वेलम प्राइम) @ 0.5 मि. लि./लि. पानी को रोपण के 15 दिनों के बाद हल्दी की क्यारियों में डालना होगा जिससे मिट्टी और प्रकंद में सूत्रकृमि की आबादी काफी कम हो जाएगी और पौधे के विकास पैरामीटर के साथ-साथ उपज को भी बढ़ाता है। उपरोक्त तकनीक को आईसीएआर-आईआईएसआर में जुलाई 2023 में आयोजित आईआरसी में अनुमोदित किया गया है।

छोटी इलायची में प्रकंद गलन और पत्ती झुलसा रोग के विरुद्ध कवकनाशी का मूल्यांकन

योगदानकर्ता: मोहम्मद फैसल पीरान, बिजु सी. एन., एस. जे. आंकेगौडा

अदरक में प्रकंद गलन और छोटी इलायची में पत्ती झुलसा को नियंत्रित करने में कवकनाशी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने पर, 2020 में एक अलग दो साल का परीक्षण शुरू किया गया, जिसमें प्रत्येक बीमारी के लिए पांच उपचार शामिल थे। अदरक में प्रकंद गलन के लिए, उपचार 1 (टेबुकोनाज़ोल @1 मि. लि./लि. के छिड़काव और ड्रेंच), टी 2 (फेनामिडोन + मैंकोज़ेब @ 2 ग्रा./लि. के छिड़काव और ड्रेंच), और टी 3 (मेटालक्सिल-मैंकोज़ेब @ 1.25 ग्रा./लि. का छिड़काव और ड्रेंच) से पता चला कि 2022 में सबसे कम रोग आपतन 21.66%, 17.91% और 21.20% थे, जबकि टी4 (कोप्पर ऑक्सिक्लोराइड @ 2 ग्रा./लि. का छिड़काव और ड्रेंच) में सबसे अधिक 26.39% थी। इलायची के पत्ती झुलसा रोग के संबंध में टी 2 (हेक्साकोनाज़ोल @ 2 मि. लि./लि. का छिड़काव) ने 2022 में 19.16% की सबसे कम रोग आपतन प्रदर्शित की, इसके बाद टी 1 (कार्बेन्डाज़िम + मेनकोज़ेब @ 2 ग्रा./लि का छिड़काव), टी 3 (मेनकोज़ेब @ 2 ग्रा./लि का छिड़काव) और टी 4 (टेबुकोनाज़ोल @1 मि. लि./लि. का छिड़काव) है। उपचार टी 5 (अनुशंसित पीओपी) में अधिकतम आपतन 32.50% थे। अध्ययन अदरक और छोटी इलायची की फसलों की सुरक्षा

अनुसंधान अद्यतन

और पैदावार बढ़ाने के लिए संभावित कवकनाशी – आधारित प्रबंधन विकल्पों का सुझाव देता है।

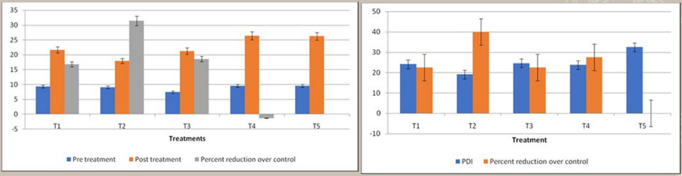

अदरक प्रकंद गलन (ए) और इलायची की पत्ती झुलसा (बी) के प्रबंधन में विभिन्न कवकनाशी उपचारों के लिए नियंत्रण पर पीडीआई और प्रतिशत को दर्शाने वाला ग्राफ

विस्तार गतिविधियां

- डॉ. आरती एस. ने 14-16 फरवरी, 2023 को 'पौध प्रसार विधियों पर कोषिक्कोड जिले के किसानों की क्षमता निर्माण और जिले में गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्रियों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए एसएचजी' के गठन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।
- डॉ. शिवरंजनी आर., डॉ. आरती एस. और डॉ. सारथाम्बाल सी. ने 8-10 मार्च, 2023 को 'हल्दी की खेती से उच्च आय के लिए बेहतर प्रौद्योगिकियां' पर एक किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- डॉ. शारोन ने मीनंगाडी में 'अदरक में सूक्ष्म प्रकंद-आधारित रोग मुक्त रोपण सामग्रियों का उत्पादन' पर एक फ्रंट-लाइन प्रदर्शन आयोजित किया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 3-4 मई, 2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर कोषिक्कोड़ में 'बाजरा में मूल्यवर्धन' पर एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

विस्तार गतिविधियां

इनविट्रो उत्पादित सूक्ष्म प्रकंद से अदरक की कटाई

कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रदर्शन

आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरवण्णामुषि ने 16-23 मार्च, 2023 की अवधि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया। चक्किट्टप्पारा, मणियूर, वेलम, मरुतोंकरा और पेरांब्रा पंचायत के किसानों को विभिन्न कृषि एवं बागवानी फसलों जैसे चावल, काली मिर्च, केला, दालचीनी, जायफल, लौंग, रंबूटान, आम, सुपारी और नारियल पर प्रदर्शन दिया गया। प्रदर्शन को पूरा करने के लिए ड्रोन की लगभग 100 उड़ानें आयोजित कीं।

पेराम्ब्रा पंचायत में सब्जी खेती में ड्रोन प्रदर्शन

पशुक्कडवु, मरुतोंकरा पंचायत में लौंग बागान में ड्रोन प्रदर्शन

आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में 16.3.2023 से 23.03.2023 के दौरान कृषि में ड्रोन के उपयोग पर प्रदर्शन आयोजित किया गया था। कोडगु, मैसूर, मांड्या, हसन और चिकमंगलूरु जिलों में विभिन्न कृषि और बागवानी फसलों जैसे कॉफी, दालचीनी, लिची, चीकू, खट्टे फल, रंबूटान, सब्जियां, अमरूद, सुपारी, केला, इलायची, काली मिर्च, गन्ना, मूंगफली, नारियल, धान, चाय, आम, तंबाकू और मक्का में प्रदर्शन आयोजित किए गए। कुल 200 उड़ानें संचालित की गईं।

खेत में ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रदर्शन

प्रदर्शनियां

- आईसीएआर-आईआईएसआर ने 25 फरवरी से 02 मार्च 2023 को कृषि और किसान कल्याण विभाग, केरल सरकार द्वारा आयोजित VAIGA प्रदर्शनी में भाग लिया।
- आईसीएआर-आईआईएचआर, बंगलूरू द्वारा 22-25 फरवरी 2023 को आयोजित राष्ट्रीय बागवानी मेले के अवसर पर आयोजित कृषि प्रदर्शनी में आईसीएआर/कृ. वि. कें. वर्ग में आईसीएआर-आईआईएसआर को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

केंपस कार्यक्रम

- आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड, केरल में 21.02.2023 को लिस्टेरा एलएलसी, मोस्को, रूस के लिए तकनीकी हस्तांतरण पर प्रशिक्षण संपन्न हुआ, उसके बाद एग्रीनोवेट, लिस्टेरा एलएलसी और आईसीएआर-आईआईएसआर के बीच एक समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किया। 'बायोकैप्स्यूल के माध्यम से पीजीपीआर/ सूक्ष्मजीवों को संग्रहित करने की एक नवीन विधि' शीर्षक पेटेंट माइक्रोबियल एनकैप्सुलेशन तकनीक का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर जैवउर्वरक और जैवकीटनाशक उद्योग में क्रांति लाना है। छह कंपनियों को इस प्रौद्योगिकी का लाइसेंस दिया गया है, जिसमें एक रूसी ग्राहक भी शामिल है। दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में शीर्ष अधिकारियों और लिस्टेरा की टीम ने भाग लिया।
- आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड़ ने 02-31 मई 2023 तक 'सूक्ष्म जैविकी, जैवरासायनिकी, जैवप्रौद्योगिकी और जैवसूचनाओं में उन्नत तकनीकों' पर एक महीने का ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया। व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के बारह छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इस प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. मणिमारन बी., डॉ. मुकेश शंकर और सुश्री अलफिया पी. वी. द्वारा किया गया।
- आईसीएआर-आईआईएसआर ने 3-4 मई, 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के भाग के रूप में 'बाजरा में मूल्य संवर्धन' पर दो दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. बी. दयाकर राव ने 'बाजरा पोषण, उत्पादन, प्रसंस्करण और व्यावसायीकरण के परिदृश्य' पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। सुश्री बिंदु गौरी और आईआईएसआर कर्मचारियों ने मिलकर 64 प्रतिभागियों के लिए बाजरा आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।
- सुश्री हिब्बा एन. ने डॉ. सोना चार्ल्स के मार्गदर्शन में जैवसूचना विज्ञान उपकरणों का उपयोग करके मेटाजीनोमिक्स डेटा विश्लेषण के क्षेत्र में छह महीने के पोस्ट एम एस सी प्रशिक्षण के लिए जैवसूचना केंद्र, आईआईएसआर में शामिल हुए।

केंपसेतर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जैविक हल्दी खेती पर एक दिवसीय संगोष्ठी

जैविक हल्दी खेती पर एक दिवसीय संगोष्ठी 13 फरवरी 2023 को अनुसूचित जाति के किसानों के लाभ के लिए पारप्पारा एस सी कॉलोनी में आयोजित की गई थी। आईसीएआर-आईआईएसआर द्वारा एससीएसपी घटक के तहत कृषि भवन, तलकुलत्तूर के सहयोग से इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ. सी. के. तंकमणी, अध्यक्ष, फसल उत्पादन एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी प्रभाग द्वारा किया गया। संगोष्ठी में अनुसूचित जाति के 58 किसानों ने भाग लिया।

कल्पट्टा में एसपीआईसीईवाई कार्यक्रम के तहत पुस्तकालय को मज़बूत करने का काम शुरू किया

भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) ने तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करके आदिवासी स्कूली बच्चों में पढ़ने की आदतें विकसित करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम "युवाओं की शिक्षा में क्षमता बढ़ाने के लिए टीएसपी- सहायता कार्यक्रम" (टीएसपी-स्पाइसी) आयोजित किया। यह कार्यक्रम आईआईएसआर और भारत सरकार की जनजातीय उप योजना (टीएसपी) के बीच एक संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच व्यावहारिक परिवर्तन लाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार लाना है। सहायता प्राप्त करने वाला पहला स्कूल सरकारी व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कल्पट्टा था, जिसमें विभिन्न कक्षाओं में 400 से अधिक आदिवासी छात्र पढ़ते थे। आईआईएसआर ने पुस्तकालय के लिए उपयुक्त साहित्य और पुस्तकों के चयन में विशेषज्ञता प्रदान की है, साथ ही 02.03.2023 को छात्रों के बीच पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया है। टीएसपी-स्पाइसी कार्यक्रम से भारत भर में हजारों आदिवासी स्कूली बच्चों को लाभ होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें अपने साक्षरता कौशल और समग्र शैक्षिक परिणामों में सुधार करने में मदद मिलेगी। संस्थान ने एमएसएसआरएफ, वयनाड के सहयोग से वयनाड की 12 आदिवासी महिला लाभार्थियों को सिलाई पर तीन महीने की आजीविका सहायता और कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया। यह प्रशिक्षण जनवरी से मार्च 2023 तक आयोजित किया गया। लाभार्थियों को दो व्यावसायिक सिलाई मशीनें प्रदान की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रीमेट्रिक छात्रावास, तच्चिंगानाडम, पेरिंतलमण्णा के अनुसूचित जाति के लड़कों के लिए इनपुट वितरण

आईआईएसआर ने तच्चिंगानाडम, पेरिंतलमण्णा के प्रीमेट्रिक छात्रावास के अनुसूचित जाति के लड़कों के लिए शैक्षिक सहायता प्रदान की। उन्हें 20 बीज किट, 20 किलो एएमसी, 400 नोटबुक, 16 छत्तरियां, 20 उपकरण बक्से, 50 चादरें, 32 टी-शर्ट और 25 प्लास्टिक कुर्सियां जैसी बुनियादी शैक्षिक सुविधाएं प्रदान की गईं। छात्रों को इनपुट का वितरण छात्रों को अपनी बुनियादी शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

व्याख्यान

- डॉ. अनीस के. ने डीएएसडी द्वारा 16 फरवरी 2023 को नटुवण्णूर, कोषिक्कोड में आयोजित मसालों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 'अदरक और हल्दी की उत्पादन तकनीक' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. अनीस के. ने 02-31 मई 2023 के दौरान सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के भाग के रूप में "प्रोटीन रसायन विज्ञान में प्रगति : प्रोटीन फोल्डिंग की नई अवधारणा" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. अनीस के. ने 02-31 मई 2023 के दौरान सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के भाग के रूप में "डिसीफरिंग बायोसिंथटिक पाथवे: टूल्स एंड टेक्निक्स पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. अनीस के. ने 02-31 मई 2023 के दौरान सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के भाग के रूप में " प्रोटीन-प्रोटीन इंटरेक्शन अध्ययन की तकनीक" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. अनीस के. ने 02-31 मई 2023 के दौरान सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के भाग के रूप में " पौधों के अर्क में कुल फेनोलिक सामग्री का निर्धारण" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. अनीस के. ने 02-31 मई 2023 के दौरान सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के भाग के रूप में "डीपीपीएच रेडिकल स्केवेंजिंग परख के माध्यम से एंटी-ऑक्सिडेंट गतिविधि का निर्धारण" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने ओडीशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा 3.1.2023 को "कार्षिक खाद्य प्रसंस्करण, पैकिंग और विपणन" पर संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "हल्दी और अदरक प्रसंस्करण में उद्यमिता के अवसर" पर वर्चुअल मोड में व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने आईसीएआर-सीआईएफटी द्वारा 16.1.2023 को एससीएसपी योजना के तहत बीटेक/एम टेक अभियांत्रिकी छात्रों के लिए "खाद्य प्रसंस्करण अभियांत्रिकी और संरक्षण में प्रगति" पर संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "मसाला प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन" पर वर्चुअल मोड में व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 24.1.2023 को कालिकट पुष्प प्रदर्शनी 2023 के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में "मसाला प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन" पर वर्चुअल मोड में व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डॉ. ई. जयश्री ने 28.1.2023 को कुटुम्बश्री मिशन, आर्यनकावु, तिरुवनंतपुरम के प्रशिक्षुओं को "हल्दी प्रसंस्करण" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 01.03.2023 को एनआईटी, कालिकट में राष्ट्रीय नवाचार और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से सतत विकास के लिए सामाजिक नवाचार और उद्यमिता पर आयोजित कार्यशाला के दौरान "खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित ज़मीनी स्तर के अनुप्रयोगों के लिए ऊष्मायन और उद्यमिता चुनौतियां" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 09.03.2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर में तमिलनाडु के कल्लाकुरुची रामनाथ जिले के किसानों के लिए "हल्दी प्रसंस्करण और इसके मूल्य संवर्धन" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 13.03.2023 को स्पाइसस बोर्ड द्वारा तिरुवंबाडी गांव के किसानों के लिए आयोजित कार्यक्रम में "जायफल का मूल्य संवर्धन" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 16.03.2023 को आर्यनकाव, कोल्लम के एफपीओ सदस्यों के लिए आयोजित कार्यक्रम में "काली मिर्च और हल्दी का प्रसंस्करण" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 17.03.2023 को जल संसाधन विकास केंद्र, कोषिक्कोड "युवाओं के लिए उन्नत सिंचाई तकनीक" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "कृषि में उद्यमिता विकास" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 21.03.2023 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिश्शूर द्वारा कल्पट्टा, वयनाड (आकांक्षी जिला) में प्रसंस्कृत कृषि उपजों और अन्य वस्तुओं के निर्यात उन्नयन पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'मसाला प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन' पर पैनल चर्चा में संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा की।
- डॉ. ई. जयश्री ने 13.05.2023 को सीपीसीआरआई, कायंकुलम में संस्थान के कल्प वज्रा उत्सव के दौरान "मसालों का फसलोत्तर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 29.05.2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर में सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान "काली मिर्च और अदरक के फसलोत्तर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. के. कंडियाण्णन ने आईसीएआर-आईएसआर में 14-16 फरवरी 2023 को 'पौध प्रवर्धन प्रणालियों एवं जिले की गुणवत्ता वाले रोपण सामग्रियों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए एसएचजी के गठन के लिए कोषिक्कोड जिले के किसानों की क्षमता निर्माण" के प्रशिक्षुओं के लिए अदरक और हल्दी प्रवर्धन पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. के. कंडियाण्णन ने बागवानी महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान (टीएनएयु), कोयंबत्तोर, सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कोषिक्कोड और बागवानी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसाइटी (SoPHoST), कोयंबतोर द्वारा संयुक्त रूप से 27 फरवरी 2023 को नारियल अनुसंधान स्टेशन, टीएनएयु, अलियार नगर में 'मसाला फसलों की उन्नत खेती सह किसान प्रशिक्षण" पर आयोजित कार्यशाला में 'प्रमुख मसालों की उत्पादन प्रौद्योगिकियों' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. के. कंडियाण्णन ने बागवानी महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान (टीएनएयु), कोयंबत्तोर, सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कोषिक्कोड और बागवानी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसाइटी (SoPHoST), कोयंबतोर द्वारा संयुक्त रूप से 30 मार्च 2023 को सब्जी अनुसंधान स्टेशन (टीएनएयु) पालूर में "मिर्च और काली मिर्च की उन्नत खेती" पर आयोजित कार्यशाला में 'काली मिर्च की उन्नत उत्पादन प्रौद्य़ोगिकियां" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- डॉ. के. कंडियाण्णन ने 22 मई 2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान "जलवायु परिवर्तन और फसल उत्पादन" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ए. ईश्वर भट्ट ने 18 अप्रैल 2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड में मसालों के लिए लेबल दावा विस्तार पर एक विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया।
- डॉ. ए. ईश्वर भट्ट ने 9 जून 2023 को 7वें डॉ. वाई. आर. शर्मा मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया।
- डॉ. ई. जयश्री ने जर्नल ऑफ स्पाइसस एंड एरोमटिक क्रॉप्स और सोसाइटी फॉर प्रोमोशन ऑफ हॉर्टिकल्चर के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।
- सुश्री अलफिया पी. वी. ने 02-31 मई 2023 के दौरान सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवरसायन शात्र, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान "हल्दी के फसलोत्तर प्रसंस्करण" पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में कर्मचारियों की भागीदारी

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम	प्रशिक्षण का नाम	प्रायोजक	दिनांक
1	डॉ. आर. गोबु	कुशल कृषि प्रयोग के लिए सांख्यिकीय तकनीकों में प्रगति पर सीएएफटी प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईसीएआर-आईएएसआरआई, नई दिल्ली	04-24 जनवरी, 2023
2	डॉ. सी. सारथांबाल	उन्नत सूक्ष्मदर्शी तकनीकें	केएससीएसटीई मलबार बोटानिकल गार्डन	03 फरवरी 2023
3	श्री. एस. मुकेश शंकर			
4	श्री. एस. मुकेश शंकर	"बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)	आईसीएआर-नार्म, हैदराबाद	20-27 मार्च, 2023
5	डॉ. अनीस के.	आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुसार प्रयोगशाला मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	एनएबीएल, आईसीएआर-निवेदी	06-10 मार्च, 2023
6	सुश्री. आर. शिवरंजनी	"जैवचिकित्सा अनुसंधान में ज़ीब्राफिश" पर व्यावहारिक कार्यशाला	अगरकार अनुसंधान संस्थान तथा आईआईएसईआर, पुणे	20-24 मार्च, 2023
7	डॉ. होन्नप्प असांगी	"माध्यमिक और स्मार्ट कृषि के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने के दृष्टिकोण : आगे का रास्ता" पर शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली	10-30 मार्च, 2023
तकनीकी स्टाफ				
8	सुश्री. एन. कार्तिका	कीटनाशक, फाइटोकेमिकल, शर्करा और कार्बनिक अम्ल के ट्रेस लवल विश्लेषण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली	15-21 फरवरी, 2023
9	श्री. के. जयराजन	आरकेवीवाई परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग	केरल सरकार	14 फरवरी 2023

सिम्पोसिया/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/बैठक में भागीदारी

- डॉ. ए. ईश्वर भट्ट ने कृषि महाविद्यालय, आरएआरएस (दक्षिणी क्षेत्र), केएयु, वेल्लायनी, तिरुवनंतपुरम में बागवानी फसलों में वाइरस अनुक्रमण पर कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. आर. प्रवीणा ने 2-4 फरवरी, 2023 को इंडियन फाइटोपैथोलोजिकल सोसाइटी, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूरु, कर्नाटक, भारत द्वारा आयोजित पौधा और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन: मुद्दे और नवाचार पर प्लेटिनम जूबिली सम्मेलन में भाग लिया।
- श्री मुहम्मद निसार वी. ए. ने 1-3 मई, 2023 के दौरान केएससीएसटीई-मलबार बोटानिकल गार्डन और इंस्टिट्यूट फॉर प्लान्ट साइनसस, कोषिक्कोड में आयोजित अदरक पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- डॉ. शारोन अरविंद ने 22-23 मई, 2023 को आईसीएआर-आईआईएचआर, बंगलूरू में पीपीवीएफआरए, कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा आयोजित विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता परीक्षण केंद्रों की 19वीं समीक्षा बैठक में भाग लिया और अदरक, हल्दी, काली मिर्च और जायफल के डीयुएस परीक्षण की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- डॉ. ई. जयश्री ने 13.5.2023 को संस्थान के कल्प वज्र उत्सव के दौरान 13.05.2023 को सीपीसीआरआई, कायमकुलम में फसलोत्तर प्रौद्योगिकी और मसालों की मूल्य संवर्धन पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया।
- डॉ. के. कंडियाणन ने 22-25 फरवरी, 2023 को क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशन, तिरुपति, आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश में इंडियन सोसाइटी फॉर कोस्टल एग्रिकल्चरल रिसर्च, कैनिंग टाउन, पश्चिम बंगाल द्वारा 'लचीले तटीय कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना' पर आयोजित 13वीं राष्ट्रीय सिम्पोसियम में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डॉ. के. कंडियाणन ने 28-31 मई, 2023 को जेआईएसएल, जलगांव, महाराष्ट्र में अमित सिंह मेमोरियल फाउंडेशन, नई दिल्ली और जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटड, जलगांव, महाराष्ट्र द्वारा "बेहत्तर आजीविका, पोषण और पर्यावरण सेवाओं के लिए सटीक बागवानी" पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ. के. कंडियाणन ने 8-9 जून, 2023 को कृषि अनुसंधान स्टेशन, मंडोर, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान में सुपारी और मसाला विकास निदेशालय द्वारा कार्यान्वित एमआईडीएच कार्यक्रमों की सत्रहवीं वार्षिक समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- डॉ. के. कंडियाणन ने 22-25 फरवरी, 2023 को लचीले तटीय कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशन, तिरुपति आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश में आयोजित 13वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के थीम 1 सत्र II: बागवानी फसलों का प्रबंधन और पौधों की सुरक्षा के उपाय" की सह अध्यक्षता की।

बाह्य समितियों में प्रतिनिधित्व

- मसाला नर्सरी की मान्यता के लिए डॉ. के. कण्डियाणन - कोषिक्कोड़, कण्णूर और कासरगोड में 2-3 फरवरी 2023 के दौरान निजी नर्सरी 1, कोषिक्कोड, केएयु- काली मिर्च अनुसंधान केंद्र, पन्नियूर, कण्णूर जिला और कृषि महाविद्यालय, पडन्क्काड, केरल का मूल्यांकन।
- डॉ. के. कंडियाणन ने 15-16 मई, 2023 को, मसाला नर्सरी की मन्यता के लिए हाई एल्टिट्यूड रिसर्च स्टेशन (ओयुएटी) पोट्टांगी, ओडीशा और बागवानी अनुसंधान स्टेशन (डॉ. वाई एस आर एच यु) चिंतापल्ली, आंध्र प्रदेश का दौरा किया।

प्रमुख बैठकें

- डॉ. एन. के. लीला ने 7 जून 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "एफएसएसएआई के वैज्ञानिक पैनल के साथ इंटरैक्टीव सत्र" में भाग लिया।
- डॉ. एन. के. लीला ने 20.03.2023 को सम्मेलन हॉल, 5वीं मंजिल, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण, एफडीए भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली में आयोजित मसालों और पाक जड़ी बूटियों एसपी 19 पर आयोजित वैज्ञानिक पैनल का 17वीं बैठक में भाग लिया।
- डॉ. ई. जयश्री ने 06.06.2023 को आईसीएआर-सीटीआरआई, राजमुंद्री द्वारा आयोजित "मिर्च और हल्दी की मूल्य वर्धन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाए" पर विचार-मंथन सत्र में भाग लिया।
- डॉ. ए. ईश्वर भट्ट ने 3 फरवरी 2023 को स्पाइसस बोर्ड में मसालों में उपयोग के लिए कीटनाशकों के लेबल दावों के विस्तार पर बैठक में भाग लिया।
- डॉ. के. अनीस ने 26 अप्रैल, 2023 को प्रसिडेंसी विश्वविद्यालय, बंगलूरू में प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (टीडीपी) के तहत चल रही / समाप्त परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- डॉ. के. अनीस ने 10 मार्च 2023 को मसाला गुणवत्ता और सुरक्षा पर राष्ट्रीय समिति (एनसीएसक्युएस-2) के दूसरे सत्र में वरचुअली भाग लिया।
- डॉ. के. अनीस ने 3 जनवरी 2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर, कालिकट में तकनीकी-वाणिज्यिक मूल्यांकन और मानक शर्तों की समित में भाग लिया।
- डॉ. के. अनीस ने अप्रैल, 2023 को जवहरलाल नेहरू संटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, जक्कुर, बंगलूरू में डीएसटी साथी परियोजना की प्रस्तुति में भाग लिया। आईसीएआर-आईआईसआर, कालिकट में तकनीकी-वाणिज्यिक मूल्यांकन और मानक शर्तों की समिति में भाग लिया।
- डॉ. के. अनीस ने 23 मई, 2023 को ज़ेडटीएमयु-आईआईएचआर, बंगलूरू द्वारा "एनएआईएफ योजना के तहत आईटीएमयु/ एबीआई की समीक्षा" बैठक में भाग लिया।
- डॉ. के. अनीस ने 06.06.2023 को भाकृअनुप-केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान (सीटीआरआई), राजमुंदरी द्वारा आयोजित "मिर्च और हल्दी के मूल्य वर्धन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाए" पर विचार-मंथन सत्र में भाग लिया।
- डॉ. के. अनीस ने तकनीकी दिवस 2023 पर चर्चा करने के लिए बागवानी एसएमडी द्वारा आयोजित ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई की गतिविधियां

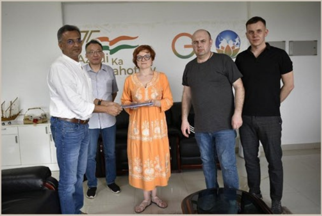

लिस्टेरा एलएलसी, मॉस्को, रूस को प्रौद्योगिकी का अंतरण एवं जानकारी पर प्रशिक्षण

सहयोगी अनुसंधान के लिए जैन सिंचाई प्रणाली लिमिटड के बीच समझौता निष्पादन

प्रशिक्षण/कार्यशाला/संगोष्ठी में भागीदारी

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम (प्रशिक्षण/ कार्यशाला/संगोष्ठी में भागीदारी	प्रायोजक	दिनांक	प्रतिभागी (नाम)
1	पूप्पोली 2023	कृषि विभाग, केरल	1-15 जनवरी, 2023	आईटीएम-एबीआई स्टाफ
2	वैगा अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, केरल	25 फरवरी- 02 मार्च, 2023	आईटीएम-एबीआई स्टाफ
3	मसालों से व्यावसायीकृत तकनोलोजियों और मूल्य वर्धित उपज तथा उद्यमियों के लिए आईआईएसआर की सहायता।	चेलन्नूर ब्लॉक पंचायत, कोषिक्कोड	5 मार्च, 2023	आईटीएम-एबीआई स्टाफ
4	आईसीएआर-उद्योग हितधारक परामर्श बैठक	अग्रिन्नोवेट इंडिया लिमिटड	6 मार्च, 2023	डॉ. टी. ई. षीजा
5	कल्प वज्रा 2023, आईसीएआर-सीपीसीआरआई, कायंकुलम में जूबिली समारोह वर्ष	आईसीएआर- केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड	13-14 मई, 2023	आईटीएम-एबीआई स्टाफ

कृषि व्यवसाय इन्क्युबेटर

- 'किसान सेवा केंद्र'- बायो इनपुट रिसोर्स संटर का उद्घाटन किया गया। इस सुविधा का उद्देश्य आईसीएआर प्रौद्योगिकी आधारित कृषि जैव इनपुट को आसान तरीके से पहुंचाकर देश भर के किसानों का समर्थन करना है। सभी उत्पाद वेबसाइट में https://spiisry.in. के माध्यम से ऑनलाइन भी उपलब्ध है। इस यूनिट का उद्घाटन 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के अवसर पर केरल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा परिषद (केएससीएसटीई)-सीडब्ल्यूआरडीएम के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल हमीद ई. के द्वारा किया गया।
- एबीआई बिक्री काउंटर स्पाइसरी और ऑनलाइन पोर्टल https://spiisry.in. के माध्यम से चयनित उत्पादों के विपणन के लिए 9 जून 2023 को एलिमेंट्स होमस्टड प्रोडक्ट्स लिमिटड के साथ MoA पर हस्ताक्षर किए। एलिमेंट्स ऑर्गानिक प्राइवट लिमिटड के उचित रूप से व्यापारित और जैविक प्रमाणित उत्पादों का विपणन 'पार्टनरिंग बायोडाइवर्सिटी प्रिज़र्वेशन' थीम के तहत किया जाएगा।
- दिनांक 12 जनवरी 2023 को 30 प्रतिभागियों के लिए एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, त्रिश्शूर के सहयोग से एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. टी. ई. षीजा ने उद्यमियों के लिए एबीआई- आईआईएसआर के तहत उपलब्ध प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण और सुविधाओं के बारे में व्याख्यान दिया।

संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई की गतिविधियां

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के अवसर पर 8 मार्च 2023 को कट्टिप्पारा कोकनट इंडस्ट्रीस प्राइवट लिमिटड की एक महिला उद्यमी श्रीमती निषा मणिमाला द्वारा विकसित पारंपरिक "करी ब्लेंड्स" का लॉन्च किया गया।
- हेयर ऑयल और हेयर क्रीम के निर्माण के लिए केरल सरकार से औषधि नियंत्रण विभाग से कॉस्मेटिक विनिर्माण लाइसेंस प्राप्त हुआ। दिनांक 17-19 अप्रैल, 2023 के दौरान वाराणसी में आयोजित जी 20 बैठक में संस्थान के प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।
- श्री. अब्दुल रसाक, बिज़िनेस मैनेजर ने 5 मार्च, 2023 को चेलन्नूर ब्लॉक पंचायत, कोषिक्कोड में संपन्न एक निवेशक बैठक में "मसालों से मूल्यवर्धित उत्पाद और उद्यमियों को आईआईएसआर का समर्थन" पर एक व्याख्यान दिया।

'किसान सेवा केंद्र' - आईसीएआर-आईआईएसआर का जैव इनपुट संसाधन केंद्र

डॉ. बीना फिलिप, माननीय महापौर, कोषिक्कोड 'मिल ई' मील' का लॉन्च करती है।

डॉ. बीना फिलिप, माननीय महापौर, कोषिक्कोड पारंपरिक 'करी ब्लेंड्स' का लॉन्च करती है।

डॉ. डी. प्रसाथ ने अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड, केरल के नये परियोजना समन्वयक का पदभार ग्रहण किया

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (एएसआरबी), नई दिल्ली की अनुशंसा पर डॉ. डी. प्रसाथ ने 2 मई, 2023 को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, में अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना के परियोजना समन्वयक का कार्यभार ग्रहण किया। आप एआरएस (कृषि अनुसंधान सेवा) के 1998 बैच से है। बागवानी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्रसाथ को बागवानी फसलों के आनुवंशिक संसाधन, प्रजनन और अनुप्रयुक्त जीनोमिक्स में 25 वर्षों का शोध अनुभव है। उन्होंने अपना पोस्ट डॉक्टरल शोध 'BOYSCAST फेलोशिप के तहत गुएल्फ विश्वविद्यालय, कानडा में किया। इसके अलावा उन्हें ऑस्ट्रेलिय़ाई सरकार की 'एंडीवर फेलोशिप' (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया) प्राप्त हुआ है।

उन्होंने हल्दी, इलायची और अदरक की पांच उच्च उपज वाली किस्में ज़ारी की हैं और सहयोगी के रूप में अन्य छह किस्मों को ज़ारी करने में शामिल थे। उन्होंने मसालों में चार विशिष्ट जर्मप्लासम अक्सेशनों की पहचान की और उन्हें पंजीकृत किया। वह उत्परिवर्तन और पॉलीप्लोइडी प्रजनन के माध्यम से आशाजनक अदरक जीनोटाइप की पहचान में भी शामिल थे। उन्होंने एमआरएनए अनुक्रमण के माध्यम से अदरक में जीवाणु मुरझान प्रतिरोध के खिलाफ बुनियादी रक्षा तंत्र की पहचान करने के लिए भी काम शुरू किया, जो मुरझान प्रतिरोधी किस्मों को विकसित करने में सहायक होगा। अदरक और काली मिर्च की गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए उन्होंने दो प्रौद्योगिकियां विकसित की है।

आप राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी और भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी के फेलो है। उन्होंने उत्कृष्ट शोध के लिए प्रतिष्ठित आईसीएआर-फखरुद्दीन अली अहमद पुरस्कार और भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया है। उन्होंने 75 सहकर्मी-समीक्षित शोध पत्र, 25 पुस्तक पाठ और 2 पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

केंद्रीय किस्म विमोचन समिति ने भारत में खेती के लिए छह नई मसाला किस्मों को मंजूरी दी

बागवानी फसलों के लिए फसल मानकों, अधिसूचना और किस्मों के विमोचन पर केंद्रीय उप-समिति की 30वीं बैठक 4 मई, 2023 को डॉ. ए. के. सिंह, उप महानिदेशक (बागवानी), आईसीएआर, कृषि भवन, नई दिल्ली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान समिति में मसाला फसलों की छह किस्मों को ज़ारी करने और अधिसूचना पर विचार किया गया। इनमें धनिया (सी जी राइगढ़ धनिया-3/आरसीसी 12-7), अजवाइन (गुजरात अजवाइन 2 और छत्तीसगढ़ अजवाइन -1 (सी जी अजवाइन -1) , निगेल्ला (सी जी कारायत-1), हल्दी (छत्तीसगढ़ हल्दी-3/आईटी 36), और केसर (शालिमार केसर-1/एसडी-1-13) शामिल है।

छत्तीसगढ़ अजवाइन -1 (सी जी अजवाइन -1)

गुजरात अजवाइन 2 (जे ए-112)

सी जी राइगढ़ धनिया-3/आरसीसी 12-7

सी जी कारायत-1

छत्तीसगढ़ राइगढ़ हल्दी-3 (आईटी 36)

शालिमार केसर-1 (एसडी-1-13)

प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि

गणतंत्र दिवस

आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में गणतंत्र दिवस समारोह

विश्व पर्यावरण दिवस

दिनांक 5 जून, 2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। समारोह में वृक्षारोपण पहल के अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 42 पौधे लगाए गए, जैसे ग्रेविलिया रोबस्टा, गार्सीनिया मोरेला, गार्सीनिया धनिखरीएंसिस, गार्सीनिया टैलबोटी, गार्सीनिया पेटुंकुलाटा, गार्सीनिया सिबेश्वरी, गार्सीनिया सेलेबिका और गार्सीनिया एक्यूमिनाटा। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने लाइफ प्रतिज्ञा ली।

आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र के स्टाफ लाइफ प्रतिज्ञा ले रहे हैं

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भाग के रूप में, दिनांक 21 जून, 2023 को आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि तथा कृषि विज्ञान केंद्र, पेरुवण्णामुषि में "भावनात्मक और मानसिक कल्याण के लिए योग चिकित्सा" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। आयुष मंत्रालय के "वाई ब्रेक प्रोटोकॉल" को प्रायोगिक प्रक्षेत्र और कृषि विज्ञान केंद्र,

प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि

पेरुवण्णामुषि के कर्मियों के लिए आयोजित किया गया था, ताकि वे अपने कार्यालय के काम के दौरान तनाव कम कर सकें, पुनर्जीवित हो सकें और फिर से ध्यान केंद्रित कर सकें। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए पंजीकृत स्टाफ सदस्यों को मोरार्जी देशाई राष्ट्रीय योग संस्थान से प्रमाण पत्र मिला। कर्मचारियों ने भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए "सामान्य योग प्रोटोकॉल -2023" के अनुसार योगाभ्यास किया।

सुगन्धी रिक्रियेशन क्लब की गतिविधियां

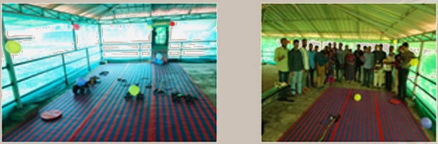

आईआईएसआर, प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में स्थापित लघु जिम्नेशियम

कृषि व्यवसाय इनक्युबेटर

आईसीएआर- आईआईएसआर, प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में कार्यरत एबीआई यूनिट

आईसीएआर- आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला

डीएएसडी द्वारा प्रायोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला ने दिनांक 07.02.2023 को टीएमएस हॉल, सिरसी में "मलनाड क्षेत्र में टिकाऊ काली मिर्च उत्पादन के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टिकोण" पर एक जिला स्तरीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कालिकट प्रशिक्षण के प्रायोजक थे। यह प्रशिक्षण बागवानी अनुसंधान और विस्तार केंद्र (युएचएस), सिरसी और तालुका कृषि उपज सहकारी विपणन सोसाइटी लिमिटड (टीएमएस), सिरसी के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एच. पी. महेश्वरप्पा, अनुसंधान निदेशक, युएचएस, बगलकोट ने डॉ. एम. एच. टाटागर, डीन, बागवानी महाविद्यालय, सिरसी; डॉ. एम. एन. वेणुगोपाल, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला; श्री. जी. एम. हेग्डे हुलगोला, अध्यक्ष, टीएमएस, सिरसी और डॉ. के. कंडियाण्णन, प्रधान वैज्ञानिक और परियोजना के प्रधान अन्वेषक, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड़ की उपस्थिति में किया।

आईसीएआर- आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला में आयोजित कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रम में काली मिर्च के उत्पादन और प्रसंस्करण में हालिया प्रगति पर ज़ोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. एम. एस. शिवकुमार, वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला द्वारा काली मिर्च की कृषि विविधता पर; डॉ. के. एस. कृष्णमूर्ति, प्रधान वैज्ञानिक आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड द्वारा काली मिर्च की गुणवत्ता रोपण सामग्रियों के उत्पादन के लिए नर्सरी तकनीक पर; डॉ. एस. जे. आंकेगौडा, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला द्वारा काली मिर्च की वैज्ञानिक कृषि प्रणाली पर; डॉ. मुहम्मद फैसल पीरान, वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला द्वारा काली मिर्च के कीट और रोग प्रबंधन पर; डॉ. वी. श्रीनिवासन, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड द्वारा काली मिर्च की कटाई और कटाई के बाद की तकनीक पर और डॉ. एम. एन. वेणुगोपाल, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन,

आईसीएआर- आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला

अप्पंगला द्वारा उत्तर कन्नड में काली मिर्च की खेती का वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं पर व्याख्यान दिया गया। डॉ. अब्दुल करीम, प्रमुख, एचआरईसी, सिरसी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर कन्नड जिले के विभिन्न भागों से 110 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

- विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के संबंध में, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड, क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला, प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि और कृषि विज्ञान केंद्र पेरुवण्णामुषि में एक संयुक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला के कर्मचारियों ने सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय, बेटागिरी का दौरा किया जहां छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी से फलदार वृक्षों के पौधे लगाए गए।

कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड

तेईसवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की बैठक

आईसीएआर-आईआईएसआर, कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड़ की तेईसवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की बैठक 23.01.2023 को भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड के समिति कक्ष में डॉ. आर. दिनेश, निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। डॉ. के. तिम्मप्पा, नोडल अधिकारी और प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, अंचल VIII, बंगलूरु ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. पी. जयराज, एसोशियट निदेशक (अनुसंधान) एवं कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केंद्र, कण्णूर ने निदेशक विस्तार, कृषि विश्वविद्यालय, त्रिश्शूर का प्रतिनिधित्व किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. आर. दिनेश, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर ने एसएसी बैठक के महत्व पर ज़ोर दिया और अनिवार्य गतिविधियों, डीएफआई की सफलता की कहानी, इनपुट सबमिशन, और एनआईसीआरए, सीएफएलडी जैसे विशेष कार्यक्रमों में उनकी उपलब्धियों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के तहत हस्तक्षेप और आय बढ़ाने और किसान अनुकूल दृष्टिकोण के महत्व पर भी जोर दिया।

खेतीगत परीक्षण

- उपज और वाईवीएम रोग प्रतिरोधकता क्षमता के लिए भिंडी की किस्मों का आकलन।
- आम फल मक्खियों विरुद्ध विभिन्न जालों का आकलन।
- ग्रो बैग खेती केलिए स्ट्रॉबरी की किस्मों का आकलन।
- कोषिक्कोड खेती करने के लिए मेरीगोल्ड किस्मों का आकलन।

कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड

किसानों का फील्ड स्कूल

अदरक की किस्म आईआईएसआर वज्रा का रोग मुक्त बीज उत्पादन।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

आईआईएसआर काली मिर्च की किस्मों की गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन पर ईडीपी।
केले के रेशे का निष्कर्षण और मूल्य वर्धित उत्पाद।
बाजरा आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों का विकास।

फ्रंड लाइन प्रदर्शन

- रतालू की उच्च उपज वाली किस्म गजेन्द्र का किसान सहभागी बीज उत्पादन।
- लाल अमरिंत जैसे केएयु वैका की उच्च उपज देने वाली, देर से पकने वाली बहु-कटाई वाली किस्म का प्रदर्शन।
- होमस्टड में आईआईएसआर तेवम की उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन।
- सुपारी पर मिश्रित फसल के रूप में कलमी काली मिर्च का प्रदर्शन।
- सिंचित सुपारी/नारियल के बागों में अधिक उपज देने वाली जायफल केरलश्री की मिश्रित फसल का प्रदर्शन।
- नारियल के तंजोर विल्ट के एकीकृत प्रबंधन पर प्रदर्शन (तीसरे वर्ष तक ज़ारी)।
- केले में आईपीएम।
- नारियल के कली सड़न प्रबंधन के लिए ट्राइको केक का प्रदर्शन।
- मवेशियों पर परजीवि संक्रमण के लिए डोरामेक्टिन की प्रभावकारिता पर प्रदर्शन।
- मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए सीआईएफएएक्स का प्रदर्शन।
- सांप के सिर वाली मछली (मुरेल्स) का संवर्धन।
- स्कैंपी (*माक्रोब्राकियम रोसेनबर्गी*) की वैज्ञानिक खेती।
- मशरुम का मूल्य वर्धन।
- ड्रोन का उपयोग करके धान में सूक्ष्म पोषक तत्व के पर्ण अनुप्रयोग का प्रदर्शन।
- घरेलू बाग में प्याज की खेती का प्रदर्शन।

प्रकाशन

1. प्रदीप बी., पी. राथाकृष्णन। 2003. पाकु-कुछ तथ्य और आशंकाएं, एक्वाकल्चर स्पेक्ट्रम पत्रिका-खंड 6, अंक: 2 फरवरी 2023, पृष्ठ 13-18.
2. पी. राथाकृष्णन, मनोज पी. एस., प्रकाश के. एम., प्रदीप बी., ऐश्वर्या के. के. और दीसी ए. 2023. कोषिक्कोड (कालिकट)। इन: चन्द्र गौडा एम. जे., श्रीनिवास रेड्डी डी. वी., रायुडु बी. टी., तिम्मप्पा के., कोलेकर डी. वी., मल्लिकार्जुन बी. हांजी, हर्षिता डी. और दील्षा राज एन.। केरल में किसानों की आय बढ़ाना। कृषि विज्ञान केंद्र, आईसीएआर-अटारी, बंगलूरु में प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना। पृष्ठ-93.

पुस्तकालय

'एग्रिटिटबिट्स' के इलक्ट्रॉनिक संस्करण के छह अंक प्रकाशित किए गए थे। डीस्पाइस को संस्थान के अधिक प्रकाशनों से समृद्ध बना दिया गया। 88 नई किताबें खरीदी गईं और 25 शोध लेखों को साहित्यिक चोरी विरोधी सोफ्टवेर का उपयोग करके सत्यापित किया गया।

हिंदी अनुभाग

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

जनवरी-जून 2023 की अवधि में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो बैठकें आयोजित की गयी। बैठकें दिनांक 09 फरवरी 2023 तथा 01 मई 2023 को निदेशक डॉ. आर. दिनेश की अध्यक्षता में संपन्न हुई। समिति ने राजभाषा कार्यान्वयन की गतिविधियों की समीक्षा करके सुधारने के लिए सुझाव दिया।

हिंदी कार्यशाला

जनवरी-जून 2023 की अवधि में भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए दो कार्यशालाएं आयोजित की गयीं। इन कार्यशालाओं में, श्री. के. राजेष, वरिष्ठ प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, कोषिक्कोड तथा श्रीमती एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, आईसीएआर-आईआईएसआर ने क्रमशः दिनांक 21.02.2023 और 17.05.2023 को "राजभाषा कार्यान्वयन को कैसे आसान बनायें" तथा "राजभाषा नियम" आदि विषयों पर व्याख्यान दिया।

हिंदी अनुभाग

हिंदी प्रशिक्षण

डॉ. एन. के. लीला, प्रधान वैज्ञानिक एवं हिंदी अधिकारी तथा श्रीमती षजिना ओ., तकनीशियन ने केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित पारंगत परीक्षा उत्तीर्ण की।

श्री. जयप्रकाश पी. टी., उच्च श्रेणी लिपिक तथा श्रीमती एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित हिंदी शब्द संसाधन परीक्षा उत्तीर्ण की।

श्रीमती एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 10 जनवरी 2023 को आईसीएआर-आईआईएसडब्ल्युसी, देरादून, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में भाग ली।

श्रीमती एन. प्रसन्नकुमारी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने 27 जनवरी 2023 को राजभाषा विभाग द्वारा टैगोर थियेटर, वषुतक्काड, तिरुवनंतपुरम में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया।

हिंदी प्रकाशन

- मसाला समाचार जनवरी-जून 2022
- एआईसीआरपीएस वार्षिक प्रतिवेदन का कार्यकारी सारांश 2022
- आईसीएआर-आईआईएसआर के वार्षिक प्रतिवेदन का कार्यकारी सारांश 2022
- प्रमुख मसाला फसलों की खेती से संबंधित मृदा की समस्याएं एवं समाधान
- उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रमुख मसाला फसलों का जैविक उत्पादन (काली मिर्च, अदरक, हल्दी एवं बड़ी इलायची)

राजभाषा रिपोर्ट

संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन की तिमाही एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करके भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली को भेज दिया। तिमाही रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट राजभाषा विभाग, नई दिल्ली को ऑनलाइन भेज दिया। राजभाषा कार्यान्वयन का अर्धवार्षिक रिपोर्ट तैयार करके नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को प्रस्तुत किया।

इन्टेर्नशिप प्रशिक्षण

प्रस्तुत अवधि में हिंदी अनुभाग द्वारा केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरकोड के एक स्नातकोत्तर छात्र श्री. अश्विन कृष्णा बी. को राजभाषा कार्यान्वयन पर 15 दिवस का इन्टेर्नशिप प्रशिक्षण दिया गया।

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष

- कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड ने बाजरा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया और 15.02.2023 को वेंगेरी की दस महिला किसानों के एक समूह के लिए कुटुम्बश्री प्रकृति खाद्य), कायण्णा की 'एक छोटी बाजरा प्रसंस्करण और बिक्री सुविधा' की आभासी यात्रा का आयोजन किया गया।
- कृषि विज्ञान केंद्र, कोषिक्कोड ने 05.03.2023 को बाजरा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया और बालुश्शेरी पंचायत के 50 किसानों और एक स्कूल बैच को तीन बाजरा बीज वितरित किए।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह (08.03.2023) के अवसर पर कोषिक्कोड निगम की मेयर डॉ. बीना फिलिप ने 'मिल ई मील' कार्यक्रम लॉंच किया, जिसका उद्देश्य आईसीएआर-आईआईएसआर कोषिक्कोड के कर्मचारियों को बाजरा आधारित भोजन तैयार करके प्रदान करना है। इस लॉंचिंग कार्यक्रम में 'रागी लड्डु', और 'मिश्रित बाजरे के दलिया' का वितरण किया गया।
- श्री फैज़ी मोहम्मद, प्रबंध निदेशक, केपीए मसाले, किसान-उत्पादक कंपनी, पत्तनमतिट्टा द्वारा 'बाजरा के प्रकार और किस्मों' पर एक आभासी बातचीत दी गई। इस कार्यक्रम को डॉ. टी. ई. षीजा, उद्यमिता/स्टार्टअप/सामूहिक विकास समिति के अध्यक्ष के नेतृत्व में बी पी डी द्वारा आयोजित किया गया। डॉ. के. कंडियाण्णन, अध्यक्ष, आईवाईएम समन्वय समिति ने परिचयात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की। श्री. फेज़ी ने बाजरा के विभिन्न प्रकारों और बाजरा उत्पाद की तैयारी के बारे में व्याख्यान दिया। संस्थान के कर्मचारियों और एफपीओ सदस्यों सहित लगभग 25 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. के. वी. वेंकटसुब्रमण्यन, निदेशक, अटारी, बंगलूरु ने आईसीएआर-आईआईसआर, कोषिक्कोड में 26.4.2023 को संपन्न केरल और लक्षद्वीप के कृषि विज्ञान केंद्र की वार्षिक समीक्षा (2022-23) और कार्य योजना (2023-24) बैठक के अवसर पर बाजरा और उसके मूल्य संवर्धन पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। डॉ. आर. दिनेश, निदेशक, आईसीएआऱ-आईआईसआर, कोषिक्कोड, डॉ. बी. टी. रायडु, डॉ. के. तिम्मप्पा (आईसीएआऱ-आटारी, बंगलूरु), डॉ. जेकब जॉन, निदेशक विस्तार, केएयु, त्रिश्शूर, डॉ. पी. राधाकृष्णन, कार्यक्रम समन्वयक, केवीके, कोषिक्कोड़ इस अवसर पर उपस्थित थे। आसीएआर-आईआईएसआर, कृषि विज्ञान केंद्र, पेरुवण्णामुषि और केवीके समर्थित उद्यमियों द्वारा बनाई गई विभिन्न प्रकार के बाजरा, इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद और बाजरा आधारित उपजों की तैयारी का प्रदर्शन किया गया।
- आईसीएआर-आईआईएसआर में 03-04 मई, 2023 को 'बाजरा में मूल्य संवर्धन' पर एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन 3 मई, 2023 को डॉ. आर. दिनेश, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड द्वारा किया

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

गया। डॉ. बी. दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएमआर (भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान), हैदराबाद ने 'बाजरा पोषण, उत्पादन, प्रसंस्करण और इसके व्यावसायीकरण के परिदृश्य' पर मुख्य भाषण दिया। सुश्री बिंदु गौरी, समन्वयक, एग्रि बिसिनस स्कूल, केवीके, कोयंबत्तूर ने 'केरल में बाजरा के परिप्रेक्ष्य' पर एक विशेष भाषण दिया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को रागी सूप पाउडर मिश्रण, बिरियाणी मिश्रण, पोषक तत्व स्वास्थ्य मिश्रण, बाजरा मिश्रण और बाजरा आधारित मुरुक्कु की तैयारी जैसे बाजरा आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण से लगभग 64 प्रतिभागियों को लाभ हुआ और समापन कार्यक्रम 4 मई, 2023 को आयोजित किया गया।

- आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड ने सेंट जोसफ कॉलेज, देवगिरि, कोषिक्कोड में 23.06.2023 को केरल सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ एफएसएसएआई-दक्षिणी क्षेत्र, कोच्चि द्वारा आयोजित "ईट राइट मिलट मेला" की प्रदर्शनी में भाग लिया और बाजरा आधारित उत्पादों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में आईसीएआर-आईआईएसआर द्वारा विकसित विभिन्न बाजरा आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया और आगंतुकों को बेचा गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस- 2023

- आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2023 मनाया गया। डॉ. रजनीकांत जी. के., प्रोफसर एवं डीन (छात्र कल्याण), एनआईटी, कालिकट समारोह के मुख्य अतिथि थे। डॉ. रजनीकांत जी. के. ने 'वैश्विक कल्याण में सुधार के लिए विज्ञान का लाभ उठाना' विषय पर विज्ञान दिवस व्याख्यान दिया।
- एक 'इंटरकॉलीजियट साइंस क्विज़ प्रतियोगिता' भी आयोजित की गई और कोषिक्कोड जिले के विभिन्न कॉलेजों की ग्यारह टीमों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

प्रोफ. डॉ. रजनीकांत जी. के., डीन अकादमिक, एनआईटी, कालिकट राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आईआईएसआर के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

- भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड ने 8 मार्च 2023 को "डिजिट ऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी" विषय पर कार्यक्रम के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस संबंध में भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड ने #एम्ब्रेस इक्विटी का प्रतिनिधित्व करते हुए एक सभा का आयोजन किया।
- डॉ. बीना फिलिप, महापौर, कोषिक्कोड महिला दिवस की मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया।
- इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा एक महिला उद्यमी श्रीमती निशा मणिमाला, कट्टिप्पारा कोकनट इंडस्ट्रीस प्राइवट लिमिटड द्वारा विकसित एक पारंपरिक 'करी ब्लेंड्स' का लॉंच किया गया।
- इस विशेष दिवस पर, अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए, महापौर द्वारा संस्थान में 'मिल ई मील' नामक एक कार्यक्रम लॉंच किया गया। यह लॉंच बाजरा के पारंपरिक मूल्य और ऊर्जा तथा उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए स्टाफ सदस्यों के बीच बाजरा आधारित आहार को बढ़ावा देने की याद दिलाता है।

सफल महिला उद्यमियों का अनुभव साझा करना

- श्रीमती बिंदु जोसफ, रंडुप्लाक्कल नर्सरी, कोषिक्कोड एक महिला उद्यमी हैं जो पंडित दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार-2021 की विजेता है। उन्होंने 10,000 से अधिक झाड़ी काली मिर्च, 5000 नारियल के पौधे, हाइब्रिड बोगनविल्ला, फलों के फसलों का उत्पादन करके क्रय किया गया।
- श्रीमती गीता सलीश, केरल के त्रिश्शुर की उद्यमी है। वह अपने साहस से अपने अंधेपन का मात देती है। वर्ष 2020 में गीता ने होम टु होम की शुरूआत की और 2022 में

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

आईआईएसआर हल्दी किस्म आईआईएसआर प्रतिभा के लिए लाइसेंस प्राप्त किया। वर्ष 2022-23 में 47 किसानों के साथ 10 एकड में आईआईएसआर प्रतिभा की खेती की। अब उसके अधीन चार लोग काम कर रहे हैं।

आईआईएसआर बिरादरी ने अपने ड्रेस कोड (पीला) में अपनी एकता व्यक्त की और # एम्ब्रेस इक्विटी के लिए खड़े हुए।

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के एक भाग के रूप में, 01.03.2023 को महिला सेल ने कट्टिट्प्पारा कोकनट इंडस्ट्रीस प्राइवट लिमिटड की श्रीमती निशा मणिमाला द्वारा संचालित महिला उद्यमी इकाई के लिए एक एक्सपोज़र विज़िट का आयोजन किया और हमारे गोद लिए गांव (कट्टिट्प्पारा) और कक्कयम जैव विविधता क्षेत्र में किसानों का दौरा किया। इस एक्सपोज़र विज़िट में लगभग 54 सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कट्टिट्प्पारा कोकनट इंडस्ट्रीस प्राइवट लिमिटड का विज़िट

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

- आईसीएआर-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड़, केरल ने 26 अप्रैल 2023 को आईसीएआर-राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर, राजस्थान और आईसीएआर-केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड, केरल के सहयोग से 'महिला और आईपी:नवाचार और रचनात्मकता में तेज़ी लाने' विषय पर एक आभासी इंटरैक्टीव सत्र आयोजित करके विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2023 मनाया।

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

- इस अवसर पर सुश्री अमृता जी (पंजीकृत पेटेंट एजेंट, आर. के. दीवान एंड कंपनी, बंगलूरु) और सुश्री मीनाक्षी चोटिया, पेटेंट वकील और लेक्स ऑर्बिक्स, बंगलूरु में मैनेजिंग एसोशियट ने क्रमश: "कृषि में नवाचार और आईपी के बीज बोना" तथा महिलाएं और आईपी: नवाचार और रचनात्मकता में तेज़ी लाना" विषय पर व्याख्यान दिया।

पर्यावरण दिवस

निदेशक और विभिन्न प्रभागाध्यक्षों के द्वारा आईसीआर-आईआईएसआर के पूर्व निदेशकों की स्मृति में "स्मारक वृक्षारोपण" किया गया। इसके बाद केएससीएसटीई-सीडब्ल्युआरडीएम के पर्यावरणविद और पूर्व वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल हमीद ई. द्वारा आईसीएआर संस्थानों के कृषि जैव-इनपुट की बिक्री के लिए एक आउटलेट "किसान सेवा केंद्र" का उद्घाटन किया गया। भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड में "केरल में जल परिदृश्य" पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया, जहां डॉ. अब्दुल हमीद ई. मुख्य अतिथि थे। उन्होंने हमें केरल की जल उपलब्धता, जल संसाधनों पर बाधाएं और आगे के इसके तरीके जैसे विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023

मसालों के लेबल दावा विस्तार पर मंथन बैठक

आईआईएसआर ने मसालों के लिए लेबल दावा विस्तार पर एक विचार-मंथन सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया जो 18 अप्रैल 2023 को आईआईएसआर, कोषिक्कोड में आयोजित किया गया था। विभिन्न संगठनों जैसे मसाला बोर्ड, सुपारी और मसाला विकास निदेशालय (डीएएसडी), केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबीआरसी), भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), आईसीएआर-राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र (आईसीएआर-एनआरसीएसएस), अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना (एआईएनपी-पीआर), अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना केंद्र (एआईसीआरपीएस), विश्व मसाला संगठन

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

(डब्लियु एस ओ) तथा कीटनाशक उद्योगों की प्रतिनिधियों ने हाइब्रिड़ मोड में आयोजित चर्चा में भाग लिया।

7वां डॉ. वाई. आर. शर्मा मेमोरियल व्याख्यान; 9 जून 2023

आईआईएसआर ने 9 जून 2023 को हाईब्रिड मोड में डॉ. वाई. आर. शर्मा मेमोरियल व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। डॉ. बीर पाल सिंह, पूर्व निदेशक, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला ने "भारत में आलू उत्पादन में लेट ब्लाइट रोग के प्रबंधन पर प्रभाव" शीर्षक पर व्याख्यान दिया। वैज्ञानिकों, अनुसंधान विद्वानों, पूर्व सहयोगियों और स्नातकोत्तर छात्रों सहित लगभग 70 प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और वक्ता के साथ बातचीत की।

पुरस्कार/सम्मान/मान्यताएं

- भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड ने 22-25 फरवरी, 2023 को आईसीएआर-आईआईएचआर, हेस्सरगट्टा, बंगलूरु में आयोजित राष्ट्रीय बागवानी मेले में आईसीएआर संस्थानों /कृषि विज्ञान केंद्र की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार जीता।

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

- डॉ. अक्षिता एच. जे. को टीएमएस हॉल, सिरसी में आईसीएआर-आईआईएसआर क्षेत्रीय स्टेशन, अप्पंगला द्वारा आयोजित "मलनाड क्षेत्र में टिकाऊ काली मिर्च उत्पादन के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टिकोण" पर डीएएसडी-प्रायोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सह-समन्वयक के रूप में पहचाना गया था।
- पवन गौड़ा, एम., वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, आईसीएआर-आईआईएसआर प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि को बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नदिया, पश्चिम बंगाल से उनके "बायो-फॉर्मुलेशन्स एंड एलिसिटर्स मीडियेटड रस्पोन्स ऑफ ग्रोथ, यील्ड एंड क्वालिटी ऑफ कालमेग (आन्ड्रोग्राफिस पनिकुलाटा वाल.एक्स नीस)" शीर्षक शोध प्रबंध के लिए पीएच. डी. से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

शोध पत्र

- अलगुपलमुतिरसोलै एम., सुरेश आर., तंकमणी सी. के., श्रीनिवासन वी., शिवरंजनी आर., कृष्णमूर्ति के. एस., सारथांबाल सी., गोबु आर., असंगी एच., अक्षिता एच. जे., फैसल पी. एम. और राजकुमार बी. (2023)। काली मिर्च (*पाइपर नाइग्रम* एल.) में जल तनाव उन्मूलन के लिए मेलाटोनिन हॉर्मोन की अनुप्रयोग पद्धति और शारीरिक अंतर्दृष्टि। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 13(8), 219-228. डीओआई: 10.9734/आईजेईसीसी/2023/वी13आई81947.
- दिनेश आर., श्रीना सी. पी., षीजा टी. ई., कुमार आई. वी., प्रवीणा आर., चार्ल्स एस., श्रीनिवासन वी., जयराजन के., सजित वी., सुबिला के. पी. और हरिता पी (2023). नैनो ZnO से प्रदूषित मिट्टी अस्थिर जीवाणु समुदायों और वर्गीकरण तथा कार्यात्मक विविधताओं के विघटन को प्रकट करती है। साइन्स ऑफ दि टोटल एनवियोर्नमेंट, 889, 164285. https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2023.164285.
- प्रसाथ डी., मैथ्यूस ए., ओ'नील, डब्लियु. टी., ऐटकेन ई. ए. और चेन ए. (2023). आदरक का फ्युज़ेरियम पीलापन (जिंजीबर ओफीशनेले रोस्को) फ्युज़ेरियम ऑक्सिस्पोरम एफ स्पीसीस जिंजीबरी के कारण होता है जो प्रतिरोधक – उत्तरदायी जीन की कल्टिवर -विशिष्ट अभिव्यक्ति के साथ जुडा है। पाथोजन्स, 12 (1), 141. https://doi.org/10.3390/पैथोजन्स12010141.
- अक्षिता एच. जे., शिवकुमार एम. एस., शिवरंजनी आर., आंकेगौड़ा एस. जे., फैसल पी. एम., असांगी एच. और राजकुमार एम. बी. (2023). काली मिर्च की अभिव्यक्ति और

प्रकाशन

गुणवत्ता पर सुखाने के विभिन्न तरीकों का प्रभाव। नेशनल अकादमी साइंस लेटेर्स, 1-3. https://doi.org/10.1007/s40009-023-01311-1.

- सी. एन. बिजु, ए. ईश्वर भट्ट, मोहम्मद फैसल पीरान, आर. प्रवीणा, सी. सेल्लपेरुमाल, ए. जीवलता, सी. सारथाम्बाल और संतोष जे. ईपन (सं.) (2023). कम्पन्डियम ऑफ स्पाइस डीज़ीसस। इंडियन फाइटोपैथोलोजिकल सोसाइटी, डिविज़न ऑफ पैथोलोजी, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, भारत. पृ. 66.
- बेरलिनर जे., आल्फ्रड-डानियल जे., राजकुमार, बालाजी, होमबेगौडा एच. सी., मणिमारन, बी., परवेज़, राशिद, खान, एम. आर., म्हात्रे, प्रियंक हनुमान, गोविंदराज, गुरु पिरसन्ना -पांडी (2023.). भारत के नीलगिरि के ऊंचे इलाकों में गेहुं की खेती से जुडे जीव-जन्तु। करन्ट साइन्स, 124(4): 426-433. doi: 10.18520/cs/v124/i4/426-433.
- सारथाम्बाल सी., आर. शिवरंजनी, वी. श्रीनिवासन, एम. अलगुपलमुतिरसोलै, के. पी. सुबिला और बी. अनामिका 2023. काली मिर्च कतरनों के विकास, खनिज पोषक तत्व ग्रहण, प्रकाश संश्लेषण और एंटीऑक्सिडेंट गतिविधियों पर अर्बुस्कुलार माइकोरिज़ल इनोकुलेशन का प्रभाव, जर्नल ऑफ प्लांट न्यूट्रिशन, 46 (10) : 2508-2524.
- जयश्री ई. और देशमंड जोसफ 2022. फिसिकोकेमिकल क्वालिटी इवालुवेशन एंड ड्रयिंग कैरक्टरिस्टिक्स ऑफ नटमग (मिरिस्टिक प्राग्रन्स) ड्राइड इन ए सोलार टनल ड्रयर विथ बायोमास बैकअप, जर्नल ऑफ स्पाइसस एंड एरोमाटिक क्रोप्स, 31 (2) : 166-176.
- जयश्री एट्टानिल और थोंडियाथ जोंन ज़करिया 2023. मोडलिंग फॉर तिनलेयर ड्रयिंग ऑफ ब्लोक पेप्पर (पाइपर नाइग्रम) इन ए रिवर्स फ्लो ड्रायर। जर्नल ऑफ फुड प्रोसस इंजीनीयरिंग। 46 (1): e14202 (1-10). https://doi.org/10.1111/jfpe.14202
- जयश्री ई., शकीरा पी. के., और अनीस के., 2023. हल्दी पेस अवशेषों का गुणवत्ता मूल्यांकन-हल्दी रस निष्कर्षण उद्योग से प्राप्त एक उप-उत्पाद, इंडियन जर्नल ऑफ हॉर्टिकल्चर, 80 (1) : 119-125.
- जयश्री ई. और रितु सुसन्ना के. 2023. भण्डारण के दौरान कोकम (गार्सीनिया इंडिका) आधारित आरटीएस पेय की भौतिक-रासायमिक विशेषताओं में परिवर्तन, दि फार्मा इन्नोवेशन जर्मल, 12 (2) : 1552-1559.

पुस्तक पाठ

- दिनेश आर., श्रीनिवासन वी., कण्डियाण्णन के., और कृष्णमूर्ति के. एस., (2023). किसानों की आय दुगुनी करने के लिए मसालों में सटीक उत्पादन तकनीकें। पी पी 37. इन: सिंह एच. पी. और कुमार दिनेश 2023. दिनांक 28-31 मई, 2023 को जेआईएसएल, जलगाव, महाराष्ट्र में संपन्न "बेहत्तर आजीविका, पोषण और पर्यावरण सेवाओं के लिए सटीक बागवानी" पर वैश्विक सम्मेलन का सार पुस्तक।
- निर्मल बाबु के., आर. दिनेश, वी. श्रीनिवासन, के. कंडियाण्णन, लिजो तोमस, और एच. पी. सिंह 2023. मसालों में सटीक उत्पादन प्रौद्योगिकियाँ और मूल्य श्रृंखला का विकास।

प्रकाशन

पी. पी. 136. इनः सिंह, एच. पी., और कुमार, दिनेश 2023. दिनांक 28-31 मई, 2023 को जेआईएसएल, जलगाव, महाराष्ट्र में संपन्न "बेहत्तर आजीविका, पोषण और पर्यावरण सेवाओं के लिए सटीक बागवानी" पर वैश्विक सम्मेलन का सार पुस्तक।

- कंडियाण्णन के., वी. श्रीनिवासन, लिजो तोमस, आर. दिनेश 2023. तटीय भारत में मसालों पर लाभप्रदत्ता बढ़ाने के लिए तकनीकें। पृ. 37-38. इनः भूटिया आर. एन. एटएल। (संपा.)। दिनांक 22-25 फरवरी, 2023 को क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशन, तिरुपति में आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्व विद्यालय, आंध्र प्रदेश, भारतीय तटीय कृषि अनुसंधान सोसाइटी, कैनिंग टाउन, पश्चिम बंगाल में लचीले तटीय कृषि -पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर तटीय कृषि अनुसंधान के लिए भारतीय सोसाइटी की 13वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी की सार पुस्तक।

लोकप्रिय लेख

- सी. के. तंकमणी 2023. हल्दी की खेती एवं रोग नियंत्रण पर एक दिवसीय संगोष्ठी। सुपारी और मसाला विकास निदेशालय कोषिक्कोड द्वारा 27 मार्च को आयोजित किया।
- जयश्री ई., अनीस के. और अलफिया पी. वी. 2022. काली मिर्च - काला सोनाः इसका विविध रूप, मसालों की महक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, केरल 14-19.
- अलफिया पी. वी., जयश्री ई., अनीस के. और तंकमणी सी. के. 2023. मसालों से एसन्श्यल तेल निकालने के लिए उन्नत तरीके, केरल कर्षकन, 10 (9) : 14-21.
- निर्मल बाबु के., आर. दिनेश, वी. श्रीनिवासन, के. कंडियाण्णन, लिजो तोमस और एच. पी. सिंह 2023. मसालों में सटीक उत्पादन तकनीक और मूल्य श्रृंखला का विकास। शोध चिंतन। 15:161 -181.
- तंकमणी सी. के., के. कंडियाण्णन, एन. के. लीला 2023. दालचीनी – मसालेदाल छाल वाला एक पेड़। स्पाइस इंडिया। 36 (2) : 4-9.
- प्रसाथ डी, मुहम्मद निसार वी. ए., और आरती एस.। जिंजरेरियम अदरक का एक विशिष्ट संग्रह। स्पाइस इंडिया खंड 36 (1) जनवरी 2023 पृ. 22-25 (चार भाषाओं में)
- शारोन अरविंद, कृष्णमूर्ति के. एस., रमा जे., राधा ई. और जॉनजॉर्ज 2022. भाकृअनुप-अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना से ज़ारी करने के लिए अनुशंसित नई किस्में और प्रौद्योगिकियां (हिंदी) मसालों की महक 47-50.
- कृष्णमूर्ति के. एस., शारोन अरविंद, रमा जे., राधा ई. और जॉनजॉर्ज 2022. भाकृअनुप-अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की बत्तीसवीं वार्षिक समूह बैठक (हिंदी)। मसालों की महक 51-53.
- मनीषा एस. आर., एस. प्रिया देवी, माधवी खपारे और एम. जे. गुप्ता 2023. कोकम-कोंकण क्षेत्र की एक बहुवर्षीय फसल। लहरें. 2: 44-47.

प्रकाशन

- ए. जीवलता, सी. एन. बिजु, ए. आई. भट्ट और सी. सारथाम्बाल (2022)। काली मिर्च में रोग निदान एवं प्रबंधन। मसालों की महक 20-25 (हिंदी)।
- अलगुपलमुतिरसोलै एम., एम. मुरुगन, सी. के. तंकमणी, सी. सारथाम्बाल 2023. छोटी इलायची में अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए माइक्रो क्लइमट संशोधन। किसान वर्ल्ड। 50 (4) : 17-20.
- अक्षिता एच. जे., मोहम्मद फैसल पी., आंकेगौडा एस. जे., होन्नप्पा असांगी, शिवकुमार एम. एस., और बालाजी राजकुमार एम. 2022. कूर्ग में वानिला की खेती – एक नया प्रस्फुटन। मसालों की महक 45-46। आईसीएआर-आईआईएसआर, कोषिक्कोड।
- शिवकुमार एम. एस., बिंदु सी. आर., अक्षिता एच. जे. और आंकेगौडा एस. जे. 2023. जावा लॉंग पेप्पर। स्पाइस इंडिया (अंग्रेज़ी), 36 (1) : 8-10.

प्रशिक्षण मैनुअल

- मणिमारन बी., मुकेश शंकर एस. और अलफिया पी. वी. (2023). सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में उन्नत तकनीक – एक प्रशिक्षण मैनुअल, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, केरल, भारत, पृष्ठ 3111.

सिम्पोसिया/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन में प्रस्तुत लेख

- ग्रीष्मा एम., भट ए. आई. 2023. इलायची मोसाइक विषाणु के एक भिन्न प्रकार का पूर्ण जीनोम अनुक्रमण। दिनांक 2-3 फरवरी, 2023 को मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर में संपन्न पौधे और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन: मुद्दे और नवाचार पर इंडियन फाइटोपाथोलोजिकल सोसाइटी प्लेटिनम जूबिली सम्मेलन में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पोस्टर। पृ. 140.
- भट्ट ए. आई., मालविका पी. और ग्रीष्मा एम. 2023. बड़ी इलायची के चिरके विषाणु का तेज़ी से पता लगाने के लिए रीकोंम्बिनेज़ पोलीमरेज़ एम्प्लिफिकेशन परख का विकास। दिनांक 2-3 फरवरी, 2023 को मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर में संपन्न पौधे और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन: मुद्दे और नवाचार पर इंडियन फाइटोपाथोलोजिकल सोसाइटी प्लेटिनम जूबिली सम्मेलन में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पोस्टर। पृ. 95.
- सारथाम्बाल सी., ए. जीवलता, आर. शिवरंजनी, सी. एन. बिजु, सोना चार्ल्स, वी. श्रीनिवासन, प्रिया जोर्ज, ब्लेसी पीटर और आर. राधिका 2023. अर्बुस्कुलार माइकोरिज़ल उपनिवेशन फाइटोफ्थोरा कैप्सीसी-काली मिर्च होस्ट-पैथोसिस्टम में जैव रासायनिक, आणविक रक्षा प्रतिक्रियाओं और जड़ एक्स्यूडेट संरचना को बदल देता है। इन प्लांट बायोलोजी के वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सार पुस्तक। दिनांक 23-25 फरवरी, 2023 के दौरान

प्रकाशन

तेलंगाना के हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज़ द्वारा इसका आयोजन किया गया। पीपी 171. (मौखिक प्रस्तुति)

- डॉ. अनीस के. ने 20-22 मई, 2023 को त्रिश्शूर में केरल अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "न्यूट्रास्यूटिकल्स के रूप में मसाले : केरल राज्य की व्यावसायिक क्षमता" पर एक लेख प्रस्तुत किया।
- फाथिमथ ज़ुमैला, ए. जीवलता, सी. एन. बिजु 2023. फाइटोफ्थोरा स्पीसीस संक्रमित काली मिर्च की आनुवंशिक विविधता को आरएएमएस और आरईपी पीसीआर विश्लेषण के द्वारा पता चला है। दिनांक 2-4 फरवरी, 2023 को मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर में संपन्न पौधे और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन: मुद्दे और नवाचार पर इंडियन फाइटोपाथोलोजिकल सोसाइटी प्लेटिनम जूबिली सम्मेलन में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पोस्टर। पृ. 95.
- ऐश्वर्या बाबु, संतोष जे. ईपन, सी. सेल्लपेरुमाल, गौतम चौला, बी मणिमारन। तमिलनाडु में हल्दी को संक्रमित जड़ को घाव लगाने वाली सूत्रकृमियां (प्रांटिलेंकस स्पी.) : रूपात्मक और आणविक विशेषताएं। मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक में संपन्न पौधे और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन: मुद्दे और नवाचार पर इंडियन फाइटोपाथोलोजिकल सोसाइटी प्लेटिनम जूबिली सम्मेलन।
- मुहम्मद निसार वी. ए., प्रदीप के., जोसफ जॉन के., जयशंकर आई, बी. ए. जेरारड और प्रसाथ डी.। भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से अदरक में विविधता की एक झलक। दिनांक 1-3 मार्च, 2023 के दौरान केएससीएसटीई-मलबार बोटानिकल गार्डन एंड इंस्टिट्यूट फॉर प्लांट साइंसस पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- रघुवीर सिलारू, डॉ. प्रसाथ डी, डॉ. के. एम. युवराज, डॉ. एस. आरती, डॉ. के. एस. कृष्णमूर्ति और डॉ. वी. श्रीनिवासन 2023. जीजीई बाइप्लॉट विश्लेषण के माध्यम से रंग विशेषताओ के लिए बेहत्तर हल्दी जीनोटाइप की पहचान। दिनांक 1-3 मार्च, 2023 के दौरान केरल राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, मलबार बोटानिकल गार्डन और प्लांट साइंसज़ संस्थान द्वारा आयोजित अदरक पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पोस्टर।
- डॉ. गोबू ने दिनांक 23.02.2023 को जेएसए कृषि और तकनीकी महाविद्यालय में टिकाऊ कृषि के लिए फसल सुधार में नवीन दृष्टिकोण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया।
- मुकेश शंकर एस. और सजी के. वी. (2023)। केरल के लिए उच्च उपज देने वाली, जलवायु लचीली मसालों की किस्मों को विकसित करने की संभावित और रणनीति दृष्टिकोण। 5वें अंतर्राष्ट्रीय केरल स्टडी सर्किल कांग्रेस के आयोजन के दौरान, केरल में कृषि पर तीन दिवसीय संगोष्ठी में संगोष्ठी के सार पुस्तक।

प्रकाशन

- मुकेश शंकर एस., अलफिया पी. वी., अज़रुद्दीन टी. पी., प्रिया जॉर्ज, सुधाकरन ए. और तंकमणी सी. के. (2022) स्पाइसस न्यूज (जुलाई-दिसंबर 2022), भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, केरल, भारत, 33 (2) : 57.
- अश्वति ए. पी., मुकेश शंकर एस., षीजा टी. ई. और प्रसाथ डी. (2023), ddRAD अनुक्रमण के आधार पर हल्दी (*कुरकुमा लोंगा* एल.) में प्रमुख कृषि ट्रेट्स के लिए जीनोम वाइड सहयोग का विश्लेषण। दिनांक 1-3 मार्च, 2023 के दौरान केरल राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, मलबार बॉटानिकल गार्डन और पादप विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित अदरक पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्र।

आकाशवाणी भाषण

- डॉ. एस. जे आंके गौड़ा डॉ. ए. होन्नप्पा और डॉ. एम. एस. शिवकुमार ने आकाशवाणी, मडिकेरी द्वारा 02.02.2023 को मसाला फसलों की उत्पादन पहलुओं पर दूरभाषी लाइव कार्यक्रम में भाग लिया और किसानों के साथ चर्चा की।
- डॉ. ए. होन्नप्पा ने काली मिर्च और इलायची की उत्पादन प्रौद्योगिकी पर रेडियो व्याख्यान दिया जिसे आकाशवाणी, मडिकेरी ने प्रसारित किया।
- डॉ. एस. जे आंकेगौडा, डॉ. ए. होन्नप्पा और डॉ. एम. एस. शिवकुमार ने 08.02.2023 को मसाला खेती के संचालन पर एक आकाशवाणी कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसका संचालन आकाशवाणी, मडिकेरी ने किया।

संस्थान प्रकाशन

- प्रवीणा आर., लिजो तोमस, सेंतिलकुमार सी. एम., अक्षिता एच. जे., अलफिया पी. वी. (2022)। वार्षिक रिपोर्ट 2022. भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, केरल। पृष्ठ 84. आईएसबीएन : 978-81-80872-64-2.
- मुकेश शंकर एस., अलफिया पी. वी. और जॉर्ज, पी. (2022). स्पाइसस न्यूज़ (जुलाई-दिसंबर, 2022) 33 (2) : पृष्ठ 57.

छात्रों का कोना

एम एससी. डेसरटेशन 2022

क्रम संख्या	नाम	एम एससी. थीसीस का नाम	मार्गदर्शक	विश्वविद्यालय	डिग्री
1	सुश्री हसना के. एम.	प्रोसस ओप्टिमाइसेशन एंड कैरक्टरैसेशन ऑफ स्पाइस ओलिओरसिन्स इनफ्यूस्ड आईसक्रीम फॉर एनहानसिंग इट्स फंग्शनल एट्रिब्यूट्स।	डॉ. ई. जयश्री	कालिकट विश्वविद्यालय 1.3.2022 से 31.05.2022	एम एस सी फुड साइंस एंड तकनोलोजी

छात्रों का कोना

2	सुश्री हुदा सी. एन.	प्रोसस ओप्टिमाइसेशन एंड कैरक्टरैसेशन ऑफ स्पाइस ओलिओरसिन्स इनफ्यूस्ड फिंगर मिल्लट मिल्क फोर्टिफाइड आईसक्रीम फॉर एनहानसिंग इट्स फंग्शनल एट्रिब्यूट्स।	डॉ. ई. जयश्री	कालिकट विश्वविद्यालय 1.3.2022 से 31.05.2022	एम एस सी फुड साइंस एंड न्यूट्रीशन
3	सुश्री मेहना रिस्वी के. टी.	फिसियोकेमिकल क्वालिटी इवालुवेशन ऑफ माइक्रोवेव – एसिस्टड होट एयर ड्राइंग ऑफ टरमरिक स्लाइसस : एन अल्टरनेटीव मेथड फॉर कनवेन्शनल करिंग ऑफ टरमरिक *(कुरकुमा लोंगा)*	डॉ. ई. जयश्री	आईसीएआर-आईआईएसआर	एमएससी के बादवाले प्रशिक्षण

व्यक्तिगत

नई नियुक्ति

नाम	पद	कार्यग्रहण की तिथि
डॉ. डी. प्रसाथ	परियोजना समन्वयक (एआईसीआरपीएस)	02.05.2023

स्थानातरण

नाम	पद	कार्यग्रहण की तिथि
श्री. कृष्णकुमार पी. सी.	अवर श्रेणी लिपिक	13.02.2023 (आईआईएसआर कोषिकिकोड में)

सेवानिवृत्ति

नाम	पद	दिनांक
डॉ. के. वी. सजी	अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक (फसल सुधार एवं जैवप्रौद्योगिकी), आईसीएआर-आईआईएसआर	31.05.2023
श्री जॉन जॉर्ज	मुख्य तकनीकी अधिकारी, एआईसीआरपीएस आईसीएआर-आईआईएसआर	30.06.2023

प्रकाशक

निदेशक
भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान
कोषिक्कोड

संपादक

डॉ. एस. मुकेश शंकर
सुश्री अलफिया पी. वी.
डॉ. टी. पी. मुहम्मद अज़हरुद्दीन
डॉ. प्रिया जॉर्ज

हिंदी अनुवाद एवं संपादन

डॉ. एन. के. लीला
डॉ. एस. आर. मनीषा
एन. प्रसन्नकुमारी

छायाचित्र एवं डिज़ाइन

श्री. ए. सुधाकरन
श्री. श्रीनाथ सी. जी.